(c) whether it is also a fact that the costs of the books are prohibitive; and

(d) what steps are proposed to be taken to make popular books available to the reading public at reasonable prices ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH) : (a) Out of the total 849 participants at the Tenth New Delhi World Book Fair, more than 500 were publishers, book-sellers and distributors of books in English.

(b) National Book Trust encourages publishers to bring out more books in regional languages under the following schemes :—

(i) the scheme for providing assistance to publishers, authors and illustrators to bring out books for children.

(ii) the scheme for providing assistance to publishers, authors and illustrators to bring out books for neo-literates:

(iii) the scheme for subsidised publication of books under which assistance is provided to publishers and authors for bringing out books for higher education sector ;

(iv) the publication of the catalogue of books recommended for translation ; and

(v) the publication of the catalogue of select Indian books for children.

(c) Because of a number of factors, the sale price of books, has also gone up. However, a number of publishers of the public and private sector, including the National Book Trust, India, bring out reasonably priced books on a variety of subjects.

(d) National Book Trust brings out popular books on a variety of subjects, including translations, of significant creative works of Indian languages, in English, Hindi and 11 other Indian languages. The Trust also provides assistance for publishing books for children, neo-literates and the higher education sector on the condition that these are made available at reasonable prices under its different publishing series.

भारतीय भाषाओं का विकास

1454. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या आठवीं पंचवर्षीय योजना में भारतीय भाषाओं के विकास के लिए कोई लक्ष्य निर्धारित किया गया है ; और

(ख) यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है और इसके लिए कितनी धनराशि रखी गई है ?

मानव संसाधन विकास मंत्री (श्री अर्जुन सिंह) : (क) और (ख) आठवीं पंचवर्षीय योजना अभी तक अनुमोदित नहीं हुई है । अतः इस सम्बन्ध में किसी भी भौतिक/वित्तीय लक्ष्य को बता पाना संभव नहीं है ।

आगामी एशियाई और ओलम्पिक खेलों में भारत की भागीदारी

1455. श्री शंकर दयाल सिंह : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) आगामी एशियाई और ओलम्पिक खेलों में भारत द्वारा किन-किन खेलों में भाग लिए जाने की सम्भावना है ;

(ख) क्या इसके लिए कोई तैयारी आरम्भ की जा चुकी है ; यदि हां, तो उसका ब्यौरा क्या है ; और

(ग) भारतीय खेलों के दिनों दिन गिरते स्तर के क्या कारण हैं ?

मानव संसाधन विकास युवा कार्य और खेल विभाग) मंत्रालय में राज्य मंत्री तथा मानव संसाधन विकास मंत्रालय (महिला और बाल विकास विभाग) में राज्य मंत्री का अतिरिक्त प्रभार (कुमारी ममता बनर्जी) : (क) एशियाई खेल, 1994 में जिन खेलों में भारत द्वारा भाग लेने की सम्भावना है, उन्हें अभी अंतिम

रुप नहीं दिया गया है । जिन खेलों में भारत द्वारा भाग लेने की सम्भावना है उस पर अंतिम निर्णय यथा-समय भारतीय ओलम्पिक संघ और राष्ट्रीय संघों के परामर्श से लिया जाएगा । जहां तक ओलम्पिक खेलों का संबंध है, भारत द्वारा जिन खेलों में भाग लेने की संभावना है, उनको प्रो-क्वालीफाइंग स्पर्धाएं अभी प्रगति पर चल रही हैं और उसके उपरान्त ही अंतिम निर्णय लिया जाएगा ।

(ख) संभावितों का गहन और व्यापक प्रशिक्षण चल रहा है तथा विभाग द्वारा पहले ही भारतीय ओलम्पिक संघ और कुछ संघ के साथ बैठकें आयोजित की गई हैं । संभावित खिलाड़ियों के व्यापक प्रशिक्षण में, प्रशिक्षण शिविरों का आयोजन, जहां अपेक्षित हो वहां विदेशी प्रदर्शकों और प्रतियोगिताओं की व्यवस्था करना तथा खिलाड़ियों/टीमों की तैयारी के लिए अनुभवी प्रशिक्षकों (भारतीय और विदेशी) की सेवाएं लेना शामिल है ।

(ग) खेलों और खेल स्पर्धाओं की व्यवस्था करने का मुख्य दायित्व व्यक्तिगत रूप से राष्ट्रीय संघों तथा भारतीय ओलम्पिक संघ का है । वित्तीय सहायता और बुनियादी खेल सहायता भारत सरकार, राज्य सरकार और भारतीय खेल प्राधिकरण द्वारा प्रदान की जाती है । भारतीय टीमों/खिलाड़ियों की सफलता या असफलता के कारणों का मूल्यांकन प्रत्येक संघ के कार्यनिष्पादन के आधार पर किया जा सकता है ।

तथापि सामान्यत: भारतीय खेलों का निम्नस्तर अधोलिखित कारणों से हो सकता है :—

(क) शैक्षिक पद्धति में अभिभावकों तथा संस्थाओं द्वारा खेलों को निम्न प्राथमिकता देना ।

(ख) वित्त का अभाव ।

(ग) मुख्य खेलों के लिए सामान्य उत्साह और सहायता का अभाव ; और

(घ) बुनियादी खेल सुविधाओं का अभाव ।

Complete Literacy By 2000 A.D.

1456. SHRI RAM NARESH YADAV : Will the Minister of HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT b; pleased to state :

(a) the manner in which Government propose to achieve complete literacy in the country by 2000 AD; and

(b) the amount likely to be spent thereon ?

THE MINISTER OF HUMAN RESOURCE DEVELOPMENT (SHRI ARJUN SINGH) : (a) Universalisation of elementary education including the programme of non-formal education for school drop-outs and the National Literacy Mission which aims at imparting functional literacy to 80.00 million adult illiterates in the 15-35 age-group by 1995 from an integral part of a larger programme for eradication of illiteracy. Though no specific target has been set for achieving complete literacy, it is expected that approximately 75—80%of the districts would have been covered by total literacy campaigns and the literacy rate in the country would increase to around 70% by the end of the 8th Five Year Plan.

(b) Even though allocations for the 8th Five Year Plan have not yet been finalised, it is hoped that adequate funds would be made available for implementation of these programmes.

आंगनवाड़ियों का निजीकरण

1457. श्री विश्वासराव रामराव पाटिल : क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि भारत सरकार द्वारा प्रायोजित समेकित बाल विकास योजना के अधीन चल रही आंगनवाड़ियों में कार्यरत कर्मचारियों को केवल 225 से 300 रुपये प्रतिमाह और उनके साथ काम करने वालों को केवल 100 रुपये प्रतिमाह का भुगतान किया जाता है ;